CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार पशुधन और डेयरी क्षेत्र में अग्रणी लोगों को सम्मानित करते हैं

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस के उत्सव में, केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला 26 नवंबर, 2023 को गुवाहाटी के पशु चिकित्सा कॉलेज ग्राउंड में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार प्रदान करेंगे। पशुधन और डेयरी क्षेत्र में उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए, पुरस्कार तीन श्रेणियों में आते हैं: सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान, डेयरी सहकारी/दूध उत्पादक कंपनी/किसान उत्पादक संगठन, और कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन।

पुरस्कारों में रुपये का पर्याप्त नकद पुरस्कार दिया जाता है। 5 लाख, रु. 3 लाख, और रु. शीर्ष तीन रैंक के लिए 2 लाख, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह के साथ।

पशुपालन विभाग ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 1770 आवेदन प्राप्त करने के बाद विजेताओं का खुलासा किया है। भारत की अर्थव्यवस्था में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए, यह कार्यक्रम टिकाऊ कृषि पद्धतियों के लिए स्वदेशी गोजातीय नस्लों के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

असम सरकार ने तीन मेगा दूध संयंत्रों के साथ डेयरी विकास का लक्ष्य रखा है

डेयरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, असम सरकार ने तीन मेगा दूध प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना के लिए कछार, डिब्रूगढ़ और जोरहाट में भूमि की पहचान करने की घोषणा की है।

प्रतिदिन एक लाख लीटर की क्षमता वाला प्रत्येक संयंत्र, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से शुरू की गई असम डेयरी विकास योजना का हिस्सा है। पशुपालन और पशु चिकित्सा मंत्री अतुल बोरा ने कुल छह मेगा प्लांट की योजना का खुलासा किया, जिसमें बिश्वनाथ सहित शेष स्थानों पर विचार चल रहा है।

संयुक्त उद्यम का उद्देश्य डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देना, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में योगदान देना और राज्य के डेयरी उद्योग के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करना है। यह पहल व्यापक कृषि रणनीतियों के अनुरूप है और असम में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देती है।

GADVASU ने DST समर्थन के साथ पंजाब का पहला डेयरी इनोवेशन हब शुरू किया

जीएडीवीएएसयू के कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह ने क्षेत्र में अपनी तरह के इस पहले डेयरी इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर के बारे में उत्साह व्यक्त किया और पशुधन क्षेत्र में नवाचारों, उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका की आशा जताई। उन्होंने एक स्थायी और तकनीकी रूप से उन्नत डेयरी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण के साथ केंद्र के संरेखण पर प्रकाश डाला।

गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (GADVASU) पंजाब के उद्घाटन डेयरी-आधारित समावेशी प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेशन (i-TBI) केंद्र का नेतृत्व करने के लिए तैयार है, जो 4.23 करोड़ रुपये की लागत वाली एक अभूतपूर्व पहल है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) इस उद्यम के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

अनुसंधान-सह-प्रधान अन्वेषक के अतिरिक्त निदेशक डॉ आर एस सेठी ने विस्तार से बताया कि तीन साल तक चलने वाली आई-टीबीआई पहल का उद्देश्य शैक्षिक संस्थानों, विचार-जनरेटरों, नवप्रवर्तकों और उद्यमियों का समर्थन करना, स्व-रोज़गार और नौकरी सृजन को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड तमिलनाडु में हाई-टेक डेयरीअंबाला का महत्वाकांक्षी डेयरी कॉम्प्लेक्स प्रोजेक्ट लॉन्च के लिए तैयार है क्योंकि साइट प्लान को मंजूरी मिल गई है संयंत्र स्थापित करेगा

अंबाला सदर में आवासीय क्षेत्रों से ब्राह्मण माजरा गांव में डेयरियों को स्थानांतरित करने की लंबे समय से लंबित योजना महत्वाकांक्षी डेयरी कॉम्प्लेक्स परियोजना के लिए साइट योजना की मंजूरी के साथ शुरू होने के लिए तैयार है। शुरुआत में 2021 में पहचान की गई, ब्राह्मण माजरा गांव में 21 एकड़ भूमि का पार्सल परिसर के लिए रखा गया है, जिसे गृह मंत्री अनिल विज द्वारा उठाए गए डिजाइन-संबंधी चिंताओं के कारण देरी का सामना करना पड़ा।

दो दशकों से चल रही इस परियोजना का उद्देश्य गाय के गोबर को खुले में फेंकने से होने वाली स्वच्छता संबंधी समस्याओं का समाधान करना और डेयरी उद्योग को सुव्यवस्थित करना है। नगर परिषद के सर्वेक्षण में अंबाला सदर में 15,000 जानवरों वाली 900 से अधिक डेयरियों की पहचान की गई। प्रस्तावित परिसर में डेयरी मालिकों के लिए भूखंड, एक विश्राम गृह, कुशल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक बायोगैस संयंत्र, एक सौर ऊर्जा संयंत्र और एक चिलिंग प्लांट शामिल होगा। इसके अतिरिक्त, परिसर में एक पशु अस्पताल और चारा भंडारण के लिए एक गोदाम होगा।

अंबाला छावनी के एसडीएम-सह-अंबाला सदर एमसी प्रशासक, सतिंदर सिवाच ने खुलासा किया कि सलाहकार ने साइट योजना प्रस्तुत कर दी है, कुछ संशोधन लंबित हैं। आने वाले सप्ताह में अंतिम योजना आने की उम्मीद है और इसके बाद टेंडर की तैयारी होगी। गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने बेहतर दक्षता और स्वच्छता के लिए अत्याधुनिक डेयरी कॉम्प्लेक्स के निर्माण पर जोर देते हुए इस परियोजना पर भरोसा जताया।

कोल्लम में जिला पशु चिकित्सा केंद्र ने जैविक इनाम का प्रदर्शन करते हुए आउटलेट का अनावरण किया

सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाले इस आउटलेट में विविध प्रकार की पेशकशें होंगी, जिनमें क्षेत्रीय पोल्ट्री फार्म, कुरीपुझा से टर्की मांस और अंडे, चेंगन्नूर सेंट्रल हैचरी से फार्म-ताजा चिकन अंडे, बत्तख का मांस और निरनम से अंडे शामिल हैं। बत्तख फार्म. इसके अतिरिक्त, किसानों से सीधे प्राप्त जैविक उत्पाद, कुरियोट्टुमला में सरकारी हाई-टेक डेयरी फार्म से घी, मिल्मा दूध और डेयरी उत्पाद, केप्को चिकन और मीट प्रोडक्ट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड (एमपीआई) से मांस उपलब्ध होगा।

जिला पंचायत एवं अस्पताल विकास समिति के संयुक्त प्रबंधन में लगने वाले स्टॉल से एडवांस बुकिंग की सुविधा भी मिलेगी। उत्पाद श्रृंखला हल्दी पाउडर, काली मिर्च, नारियल तेल, केला, मशरूम उत्पाद, शहद, सब्जियों के पौधे और बीज तक फैली हुई है - सभी सरकारी दरों पर पेश किए जाते हैं। उद्घाटन समारोह में अस्पताल के प्रमुख डी. शाइन कुमार उपस्थित थे, जबकि स्टाफ काउंसिल के अध्यक्ष किरण बाबू कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। यह उद्यम न केवल स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए बल्कि समुदाय को संपूर्ण, स्थानीय रूप से प्राप्त विकल्प प्रदान करने के लिए भी तैयार है।

सीइडीएसआई वर्कशॉप सीरीज

सीईडीएसआई की श्रृंखला की तीसरी डेयरी हितधारक कार्यशाला उद्योग की प्रगति को आगे बढ़ाती है, जो 15 नवंबर को जीएडीवीएएसयू में आयोजित हुई।

डेयरी फार्मिंग के भविष्य को आकार देने के लिए CEDSI की प्रतिबद्धता 15 नवंबर को GADVASU, लुधियाना में आयोजित तीसरी डेयरी हितधारक कार्यशाला में प्रदर्शित की गई थी। उद्योग जगत के नेताओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच, कार्यशाला ने चुनौतियों का समाधान किया, नवीन रणनीतियों पर चर्चा की और एक स्थायी डेयरी उद्योग के लिए सहयोग और शिक्षा पर जोर दिया। प्रतिष्ठित वक्ताओं में श्री शामिल थे। जसवंत सिंह कलसी, डॉ. हरसेव सिंह, और डॉ. आर एस सेठी, डॉ. पीके सिंह, सुश्री पुनम गुप्ता, सुश्री सुमन डबास ने नए उत्पाद विकास, उपभोक्ता प्राथमिकताओं, स्वच्छता, स्वच्छता और एमओएफपीआई योजनाओं पर अंतर्दृष्टि प्रदान की। इस कार्यक्रम ने डेयरी क्षेत्र के टिकाऊ और समृद्ध भविष्य के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए सीईडीएसआई के समर्पण पर प्रकाश डाला।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

www.cedsi.in @cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया